हरिभूमि

झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि

रोहतक, सोमवार, 6 अक्टूबर 2025

9 शहर से लेकर गांव तक हुए स्वयंसेवक संघ के कार्यक्रम

10 माछरौली, जींद व जसोर ने जीते फुटबॉल मुकाबले

खबर संक्षेप

कार्तिक बने जिला स्तरीय चयन समिति के सदस्य

बहादुरगढ़। युवा भाजपा नेता कार्तिक राठी को केंद्र सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की स्वायत्त संस्था मेरा युवा भारत ने अहम जिम्मेदारी दी है। उन्हें झज्जर जिले की जिला स्तरीय चयन समिति का सदस्य नियुक्त किया गया है। समिति राष्ट्रीय युवा कोर योजना के तहत युवा प्रतिनिधियों का चयन करेगी। समिति का उद्देश्य जिले के हर ब्लॉक से दो समर्पित युवाओं का चयन करना है। चयनित युवाओं को दो वर्षों तक प्रत्येक माह 5 हजार रुपए का मानदेय दिया जाएगा। ये प्रतिनिधि स्वास्थ्य, साक्षरता, लैंगिक समानता और सामाजिक सद्भाव जैसे अभियानों को बढ़ावा देने के साथ आपदा प्रबंधन और प्रशासनिक कार्यों में भी सक्रिय रूप से योगदान देंगे।

बाइक चोरी करने का आरोपी गिरफ्तार

बहादुरगढ़। सेक्टर-9 चौकी पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी से चोरीशुदा बाइक बरामद कर ली गई है। उसे जेल भेज दिया गया है। दरअसल, सुधाकर निवासी सेक्टर-9 ने शिकायत दी थी कि मोटरसाइकिल घर के बाहर खड़ी थी। कोई अज्ञात शख्स चुरा ले गया। इस संबंध में केस दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। मामले में कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को काबू किया गया। आरोपी की पहचान दीपू निवासी परनाला के रूप में हुई। आरोपी से बाइक बरामद कर ली गई है।

धर्मपुरा रमन का नहीं लगा सुराग

बहादुरगढ़। धर्मपुरा का निवासी एक व्यक्ति संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया है। काफी तलाशने के बाद भी उसका कुछ सुराग नहीं लग पाया है। परिजनों ने पुलिस को सूचना देकर तलाश की गुहार लगाई है। धर्मपुरा के निवासी जोगेंद्रनाथ का कहना है कि उसका मंझला बेटा करीब 46 वर्षीय रमन एक अक्टूबर की सुबह घर से बाहर गया था लेकिन वापस नहीं आया। तब से लेकर अब तक तमाम संभावित ठिकानों पर तलाश चुके हैं लेकिन कुछ पता नहीं चला सका है। वहीं, सिटी थाने से जांच अधिकारी पवन कुमार का कहना है कि गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर ली है। मामले में जांच की जा रही है। जल्द ही रमन का सुराग लगाया जाएगा। मामले की जांच चल रही है।

कर्ज के जाल में फंसे किसान ने पुलिस से लगाई न्याय की गुहार

सूदखोर ने 13 लाख के 20 लाख ले लिए अब भी लाखों रुपये मांग रहा

पीड़ित किसान की शिकायत पर आसौदा थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच की शुरू

- संदीप ने 2013 में 13 लाख ब्याज पर लिए थे
- 2% ब्याज पर पैसे दिया, बाद में करने लगा तंग
- कभी 5% तो कभी 2200 रुपये प्रति दिन वसूले
- पैसा देने के बाद भी तंग करने का आरोप
- जान से मारने की धमकी पर शिकायत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

गांव निलोठी का एक किसान सूदखोर के चंगुल में फंस गया। ब्याज पर लिए 13 लाख के बदले में लगभग 20 लाख उसने दे दिए लेकिन फाइनेंसर का मन नहीं भर रहा। फाइनेंसर लगातार उससे और मोटी रकम मांग रहा है। रुपये न देने पर जान से मारने की धमकी दे रहा है। पीड़ित किसान की शिकायत पर आसौदा थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस को दी शिकायत में निलोठी के निवासी संदीप ने कहा है कि जरूरत पड़ने पर उसने 20 अक्टूबर 2013 को अपने गांव के निवासी एक फाइनेंसर से 13 लाख रुपये लिए थे। तब दो प्रतिशत ब्याज दर तय हुई थी लेकिन इसके बाद वह मनमानी करने लगा। कभी पांच प्रतिशत तो भी 2200 रुपये प्रति दिन के हिसाब से ब्याज लगाने लगा। वह समय-समय पर ब्याज सहित रुपये चुकाता रहा। फाइनेंसर को अब तक मूल, ब्याज सहित लगभग 20 लाख रुपये दे दिए लेकिन उसका कर्ज खत्म होने का नाम ही नहीं ले रहा।

कई लाख की डिमांड कर रहा

आरोप है कि तरह-तरह के ब्याज लगाकर वह कई लाख रुपये की डिमांड कर रहा है, जबकि मैं अपनी तरफ से ब्याज सहित रुपये दे चुका हूं। रुपये न देने पर आरोपी फाइनेंसर जान से मारने की धमकी देता है। उधर, आसौदा थाने से जांच अधिकारी पीएसआई आकाश का कहना है कि किसान की शिकायत पर केस दर्ज कर लिया है। जांच शुरू कर दी गई है। जांच में जो कुछ निकलकर सामने आता है, उस आधार पर आगामी कार्रवाई की जाएगी।

ब्याज सहित रकम वसूलने के बाद भी महिला को धमकी

बहादुरगढ़। जरूरत पड़ने पर लोग सूदखोरों से रुपये तो ले लेते हैं लेकिन उनके चंगुल से निकल नहीं पाते। कर्ज राशि से कहीं ज्यादा रुपये वसूलने के बाद भी सूदखोर उनका पीछा नहीं छोड़ते। बहादुरगढ़ में अब फाइनेंसर द्वारा महिला को तंग किए जाने का मामला सामने आया है। वारदात सेक्टर-7 की निवासी एक महिला के साथ हुई है। जानकारी के अनुसार, महिला ने कुछ समय पहले मजबूरी भरे हालातों में पटेल नगर के निवासी एक व्यक्ति से एक लाख 20 हजार रुपये ब्याज पर लिए थे। फाइनेंसर ने दस प्रतिशत ब्याज के हिसाब से ये रुपये दिए। महिला का आरोप है कि वह ब्याज सहित रुपये लौटा चुकी है लेकिन फाइनेंसर अब भी एक लाख रुपये की डिमांड कर रहा है। इन रुपयों के लिए लगातार दबाव बना रहा है। कहीं भी रास्ता रोककर रुपये मांगता है और जान से मारने की धमकी दे देता है। बार बार धमकियों से तंग आकर उसने अधिकारियों को शिकायत दी। उसकी शिकायत पर अब सदर थाने में केस दर्ज हो पाया है। पुलिस का कहना है कि मामले में जांच की जा रही है। जांच के बाद ही मामले में कुछ स्पष्ट कहा जा सकता है।

ब्याज पर रुपये देकर शोषण करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा

झज्जर। ऊंची दर के ब्याज पर रुपए देकर शोषण करने वाले सूदखोरों पर पुलिस द्वारा कार्रवाई की जाएगी। पुलिस कमिश्नर डॉक्टर राजश्री सिंह ने सभी थाना प्रबंधकों व चौकी प्रभारियों को जिले में सूदखोरी से मोटा ब्याज लेने व लोगों को कर्ज देकर शोषण करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह कार्य किसी भी सूरत मे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ब्याज के बदले जमीन, गहने आदि हड़पने वाले लोगों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि सूदखोर जरुरतमंद लोगों को ऊंची दर के ब्याज पर पैसा देकर अपने जाल में फंसाते है और फिर उनका शोषण किया जाता है। ऐसे सूदखोरों की गतिविधियों पर पुलिस द्वारा निरंतर निगरानी रखी जा रही है। ऐसे सूदखोरों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने के लिए विशेष टीमों का गठन किया गया हैं। उन्होंने सूदखोरों से पीड़ित व्यक्तियों से अपील करते हुए कहा कि यदि उनके साथ कोई व्यक्ति ऐसा करता है तो उसकी शिकायत नजदीकी पुलिस थाना या डायल 112 पर कर सकते है। इसके अलावा शिकायत के लिए वे उनके कार्यालय में भी मिल सकते है।

सेक्टर-17 के पास कार ने महिला को कुचला घायल पीजीआई रेफर

बहादुरगढ़। सेक्टर-17 मोड़ के निकट सड़क पार करते वक्त एक महिला तेज रफ्तारी कार की चपेट में आ गई। हादसे में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे पीजीआई रोहतक रेफर किया गया है। परिजनों की शिकायत पर सेक्टर-6 थाना पुलिस ने कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घायल की पहचान भगवती के रूप में हुई है। भगवती मूल से यूपी के हरदोई जिले से है। यहां गांव जाखोदा में अपने पति राजीव के साथ रहती है। सेक्टर-17 में स्थित एक कंपनी में काम करती है। शाम को कंपनी से छुट्टी के बाद भगवती अपने घर जा रही थी। सेक्टर-17 मोड़ के निकट जब रोहतक-दिल्ली रोड क्रास करने गली तो इसी दौरान एक कार की चपेट में आ गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि वह कई फुट ऊंची उछलकर दूर जा गिरी और गंभीर रूप से घायल हो गई। साथी महिला कर्मचारियों और आरोपी गाड़ी चालक ने भगवती को संभाला। इसके बाद उसे अस्पताल ले जाया गया। जहां से पीजीआई रोहतक रेफर कर दिया गया।

पति की शिकायत पर केस दर्ज

सूचना पाकर पुलिस पीजीआई रोहतक पहुंची लेकिन घायल बयान देने की हालत में नहीं थी। पुलिस ने उसके पति राजीव के बयान लिए। राजीव की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी गाड़ी चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। आरोपी की पहचान हो गई है।

सैनीपुरा में स्थित प्राचीन शिव मंदिर में वारदात से श्रद्धालुओं में रोष

मंदिर के दानपात्र से युवक ने निकाले रुपये

बहादुरगढ़। इलाके में चोरी के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। धार्मिक स्थलों को भी निशाना बनाया जा रहा है। अब यहां सैनीपुरा में स्थित प्राचीन शिव मंदिर में चोरी की वारदात हो गई। नुकीले औजार से दानपात्र खोलकर युवक रुपये निकालकर ले गया।चोरी की यह वारदात शनिवार शाम की बताई जा रही है और पूरा घटनाक्रम सीसीटीवी में कैद हो गया। एक नौजवान युवक मंदिर परिसर में आता है और दानपात्र से छेड़छाड़ करने लगता है। कुछ ही मिनट में वह पेंचकस जैसे किसी नुकीले औजार से दानपात्र को क्षति पहुंचाता और उसमें से रुपये निकाल लेता है। फिर चंपत हो जाता है। बाद में जब दान पात्र पर किसी की नजर पड़ी तो वारदात का पता चला।

आरोपी की नहीं हो सकी पहचान

सीसीटीवी फुटेज चेक करने पर हकीकत सामने आई। कैमरे में एक ही युवक नजर आया है। फिलहाल आरोपी की पहचान नहीं हो सकी है। रविवार शाम तक केस दर्ज होने की भी पुष्टि नहीं हो सकी थी। बता दें कि बहादुरगढ़ इलाके में पिछले कुछ समय से लगातार चोरी की वारदात बढ़ रही हैं। स्कूलों और मंदिरों को भी लगातार निशाना बनाया जा रहा है।

ओमेक्स में 48 लोगों ने किया रक्तदान

बहादुरगढ़। मां भारती रक्तवाहिनी द्वारा शहर की ओमेक्स सिटी में अनायसा नेटवर्क के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इसमें 48 यूनिट रक्त संचय किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में जिला पार्षद अमित कसार ने रक्तदाताओं को प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान केवल सेवा नहीं, बल्कि मानवता के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। कसार ने कहा कि रक्तदान से शरीर पर कोई नकारात्मक असर नहीं पड़ता। थोड़े समय में ही शहर में रक्त पूरा हो जाता है।

सीएम विंडो पर शिकायत, 650 यूनिट के स्थान पर 5750 यूनिट दिखा दी

सोलर मीटर की गलत रीडिंग से उपभोक्ता परेशान

बहादुरगढ़। शहर के सेक्टर-6 निवासी उपभोक्ता ने अपने सोलर मीटर की गलत रीडिंग को लेकर सीएम विंडो पर शिकायत दर्ज कराई है। उपभोक्ता ने बताया कि बिजली विभाग की ओर से 650 यूनिट के स्थान पर 5750 यूनिट की गलत रीडिंग दर्ज कर दी गई है, जिससे बिल में भारी अंतर आ गया है। शिकायतकर्ता अधिवक्ता सुनीत सांगवान के अनुसार उन्होंने 3 केवी का सोलन पैनल लगवा रखा है। दो महीने के दौरान उसकी वास्तविक खपत केवल 650 यूनिट रिकॉर्ड हुई है, लेकिन निगम की ओर से बनाए गए बिल में 5 हजार 750 यूनिट दिखा रखी है।

उपभोक्ता का लापरवाही का आरोप

उन्होंने कहा कि यह त्रुटि तकनीकी गड़बड़ी या लापरवाही के कारण हुई है, जिससे उपभोक्ता को आर्थिक नुकसान झेलना पड़ सकता है। अधिवक्ता सुनीत सांगवान ने मांग की है कि बिजली निगम इस मामले की जल्द जांच करवाकर सही रीडिंग दर्ज करे और गलत बिल को निरस्त करे। उनके अनुसार यह सुनिश्चित किया जाए कि भविष्य में इस तरह की तकनीकी भूल दोबारा नहीं होनी चाहिए, ताकि उपभोक्ताओं को अनावश्यक परेशानी न उठानी पड़े। शिकायतकर्ता ने इस मामले की जानकारी सभी आवश्यक दस्तावेजों सहित सीएम विंडो में दर्ज करवा दी है और जल्द समाधान की उम्मीद जताई है।

थाईलैंड टी-10 लीग में दम दिखाएग सांखोल का सौरभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

शहर से सटे गांव सांखोल का निवासी सौरभ चाहर लगातार विदेशी सरजमीं पर अपनी प्रतिभा का जलवा दिखा रहा है। अब सौरभ थाईलैंड टी-10 क्रिकेट सीरीज सीजन-2 में खेलने जा रहा है। यह टूर्नामेंट सात से 14 अक्टूबर तक चलेगा। कुछ समय पहले सौरभ ने अफ्रीका में अपने दमदार प्रदर्शन से दर्शकों को प्रभावित किया था। वह टीम के ऑलराउंडर खिलाड़ी के रूप में उत्कृष्ट खेल दिखा चुका है। सौरभ का कहना है कि वह पिछले लगभग एक दशक से क्रिकेट खेल रहा है।

केन्या, श्रीलंका, दक्षिण अफ्रीका, नेपाल समेत कई देशों में लीग मैच खेलकर प्रदेश व जिले का नाम रोशन किया

देश में अवसर सीमित होने के बावजूद विदेशी लीगों में लगातार प्रदर्शन कर रहा है। केन्या, श्रीलंका, दक्षिण अफ्रीका, नेपाल समेत कई देशों में लीग मैच खेले हैं। प्रत्येक खिलाड़ी का सपना अपने देश का नाम रोशन करना होता है। अब अगला पड़ाव थाईलैंड है, जहां वह टी-10 सीरीज में अपने ऑलराउंड प्रदर्शन से एक बार फिर अपने क्षेत्र, प्रदेश-देश का नाम ऊंचा करने को तैयार है।

महाराजा अग्रसेन अस्पताल को मिला लेटर ऑफ इंटेंट

बहादुरगढ़। हरियाणा सरकार के चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग द्वारा नूना माजरा स्थित महाराजा अग्रसेन केदार नाथ गुप्ता मेडिकल कॉलेज में 150 वार्षिक सीटों के साथ एमबीबीएस कोर्स शुरू करने के लिए लेटर ऑफ इंटेंट जारी किया गया है। महाराजा अग्रसेन अस्पताल चैरिटेबल ट्रस्ट के महासचिव के अनुसार हरियाणा सरकार के चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग द्वारा 1 अक्टूबर को एलओआई जारी किया गया है। यह शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा को लेकर प्रतिबद्ध ट्रस्ट के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। यह लेटर ऑफ इंटेंट जारी होने की तारीख से तीन साल के लिए वैध रहेगा, जिसे एक वर्ष तक बढ़ाया जा सकता है। ट्रस्ट अब हरियाणा सरकार/एनएमसी/यूएचएस रोहतक के दिशानिर्देशों के अनुसार स्टाफ की भर्ती और बुनियादी ढांचे को पूरा करने की कवायद करेगा। इस दिशा में रणनीति बनाई जा रही है।

इग्नू में दाखिले के लिए अंतिम तिथि 15 अक्टूबर

झज्जर। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के प्रवेश पाठ्यक्रमों में दाखिले की तिथि को 15 अक्तूबर तक बढ़ा दिया है। यह जानकारी इग्नू के क्षेत्रीय निदेशक डॉक्टर धर्मपाल ने दी। यह तिथि उन सभी पाठ्यक्रमों पर लागू होगी जो सर्टिफिकेट प्रोग्राम्स को छोड़कर डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा, स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के अंतर्गत आते हैं। जिन विद्यार्थियों ने इग्नू के पोर्टल पर पहले से पंजीकरण कर लिया है, लेकिन अभी तक फीस का भुगतान नहीं किया है, वे शीघ्र फीस जमा कर अपने प्रवेश को सुनिश्चित करें।

राजस्थान के हनुमान की लघु चित्रकारी के मुरीद हो रहे कलाप्रेमी

हस्तशिल्प की बारीकियों के साथ इतिहास का जादुई आकर्षण समेटे है मिनिएचर पेंटिंग

नेशनल अवार्ड विजेता 35 वर्षों से लघु चित्रकारी में नए आयाम स्थापित कर रहे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

नेशनल अवार्ड विजेता राजस्थान के जयपुर निवासी हनुमान सैनी की लघु चित्रकारी कलाप्रेमियों को बरबस ही अपनी तरफ आकर्षित कर रही है। बहादुरगढ़ के सेक्टर-6 में स्थित कम्युनिटी सेंटर में आयोजित दस दिवसीय नाबार्ड नेशनल आर्ट एंड कल्चर उत्सव एवं प्रदर्शनी में उनकी पेंटिंग देखने के लिए कलाप्रेमियों की भीड़ उमड़ रही है। उनकी मिनिचर पेंटिंग भारतीय इतिहास और संस्कृति का जादुई आकर्षण समेटे हुए हैं। बता दें कि लघु चित्रकारी नाजुक हस्तनिर्मित चित्रकारी है, यह आकार में सामान्य पेंटिंग की तुलना में बहुत छोटी होती है।

स्वर्ग लोक की पेंटिंग बनाने में 16 माह लगे, अनुपम रचना के लिए तत्कालीन राष्ट्रपति ने 2014 में नेशनल अवार्ड से सम्मानित किया

रंग खनिजों एवं सब्जियों, कीमती पत्थरों तथा विशुद्ध चांदी एवं सोने से बनाए जाते हैं

जयपुर निवासी हनुमान सैनी ने स्वर्ग लोक की एक पेंटिंग बनाने में 16 महीने लगा दिए और उसकी इस अनुपम रचना के लिए उसे वर्ष 2014 का नेशनल अवार्ड तत्कालीन राष्ट्रपति के हाथों मिला। बचपन में स्कूल के दौरान कक्षा के ब्लैक बोर्ड पर स्कैच बनाने वाले हनुमान गत 35 वर्षों से लघु चित्रकारी में नए आयाम स्थापित कर रहे हैं। उनकी मानें तो भारत की इस प्राचीन कला में हर पहलू को बड़ी बारीकी से चित्रित किया जाता है। मोटी-मोटी रेखाओं से बनाए गए चित्रों को बड़े सुनियोजित ढंग से गहरे रंगों से सजाया जाता है। पत्थरों को पीस कर प्राकृतिक रंग बना, उसे कागजों पर अपनी कल्पना में भरने वाले राजस्थान के हनुमान सैनी की लघु चित्रकारी हर कलाप्रेमी को आकर्षित करने में सक्षम है। इसमें प्रयोग किए जाने वाले रंग खनिजों एवं सब्जियों, कीमती पत्थरों तथा विशुद्ध चांदी एवं सोने से बनाए जाते हैं।

ढोला मारू की प्रेमकथा को तूलिका से दिया बेहतरीन रूप

हनुमान सैनी की इस बेहतरीन कला को परखने के लिए सूक्ष्मदर्शी का सहारा लेना पड़ता है। पेड़ के सूखे पत्तों पर बनाए गए हाथी-घोड़े हर किसी को प्रभावित कर रहे हैं। हनुमान बताते हैं कि भारतीय कलाकार अपनी चित्रकला में अनेक परिदृश्यों को शामिल करते हैं। उन्होंने राजस्थान की विख्यात ढोला मारू की प्रेमकथा को भी हनुमान की तूलिका ने बेहतरीन रूप दिया है। ऊंट पर बैठक राजकुमार व राजकुमारी को देखकर लोग देखते ही रह जाते हैं। परम्परागत रूप से ये चित्रकला का एक बहुत शानदार, व्यक्तिपरक और भव्य रूप है।

ऑक्शन रिकार्डर के अनुसार 44.11 क्विंटल बाजरा खरीदा गया

प्राइवेट स्तर पर अब तक 15334 क्विंटल बाजरे की खरीद, उठान कार्य ने भी पकड़ी तेज गति

झज्जर। अनाजमंडी में प्राइवेट स्तर पर बाजरा खरीद की जा रही है। किसान गेट पास कटवाने के बाद मंडी में अपनी फसल डाल रहे हैं। अब तक स्थानीय मंडी में 58584.50 क्विंटल बाजरे की आवक हुई है। मार्केट कमेटी के ऑक्शन रिकार्डर नितेश ने बताया कि आंकड़ों के अनुसार रविवार को 44.11 क्विंटल बाजरा खरीदा गया। अभी तक कुल 15334.50 क्विंटल बाजरे की खरीद की जा चुकी है। इसी के साथ अब मंडी में बाजरा उठान कार्य भी शुरू हो गया है।

गोदामों तक पहुंचाया जा रहा

श्रमिकों द्वारा गाड़ियों में भरा बाजरा गोदामों तक पहुंचाया जा रहा है। इसके अलावा मंडी में धान की आवक भी जारी है। अभी तक मंडी में तीन हजार क्विंटल से अधिक धान आ चुका है। ऐसे में आढ़तियों द्वारा बोली लगाकर धान की खरीद भी की जा रही है। मंडी आढ़ती विनोद पूनिया ने बताया कि रविवार की न्यूनतम बोली जहां 2400 रुपये प्रति क्विंटल रही वहीं अधिकतम बोली 2800 रुपये प्रति क्विंटल पर छूटी। उन्होंने बताया कि बाजरा उठान कार्य के चलते कुछ राहत मिली है।

पेट जितना भी भरा रहे, आशा कभी नहीं भरती। वह जीवों को कोई-न-कोई अप्राप्य, कुछ नहीं तो केवल रंगों की माया का इंद्रधनुष प्राप्त करने के मायावी दलदल में फँसा ही देती है।

- सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

स्त्री अपने दर्द-दु:ख बाँट लेती है लेकिन पुरुष जैसे कुछ खास न हुआ हो, का दिखावा करते हुए भीतर ही भीतर घुलता रहता है। उधर कृष्णा के बार-बार कुरेदने पर भी शांत और उदास सी अंकिता ने कुछ भी संकेत नहीं दिया। पति के प्रति आकर्षण का समापन तो ब्याह के माह भर बाद से ही कृष्णा अनुभव कर रही थी, 'परन्तु दूसरे के घर में व्यवस्थित होने में समय तो लगता ही है' सोचकर वह दिनचर्या में व्यस्त रहती।

कुछ पल सोचकर कृष्णा ने बलजीत को फोन मिलाया- 'कहाँ हो? ज्यादा जरूरी काम ना हो तै घरां आ जाओ।' 'आऊँ सूँ' कहकर बलजीत ने फोन काट दिया। कुछ देर बाद बलजीत आ गया तो कृष्णा ने एक तरफ बैठकर सारी बात उसको बताई, जिसे सुनकर बलजीत भी हैरान, परेशान हो गया। कृष्णा ने अंकिता को चाय बनाने को कहा और बलजीत को समझाने लगी कि बात बहुत गम्भीर है, तुम विपिन से बात कर लो।

कहानी

आशा खत्री 'लता'

कलंक

विवाह के केवल चार महीने बाद ही अंकिता फिर कभी ससुराल न जाने के इरादे के साथ पीहर लौट आई। कुशल-क्षेम जानने के बाद बेटी कितने दिन साथ रहेगी इस उत्सुकता से माँ ने पूछा- 'अमर कब आएगा तुझे लेने?'

माँ के इस प्रश्न पर उस वक्त तो अंकिता मौन साध गई, परन्तु अगले एक दो दिन में ही उसने स्पष्ट कर दिया कि अब वह कभी ससुराल नहीं जाने वाली। यह जानकर उसकी माँ के तो जैसे पैरों तले से जमीन ही खिसक गई। बड़ी मुश्किल से तो बेटी को एमबीए करवाकर हाथ पीले किए थे। छोटी श्वेता भी तो कॉलेज जाने लगी है। पीयूष दसवीं में हो गया है। मात्र डेढ़ एकड़ का किसान बलजीत और कृष्णा ने अपनी दिन-रात की मेहनत से बच्चों को पढ़ाने का बीड़ा उठाया हुआ है। पढ़ाई के खर्चे और भारी-भरकम फीस ने कभी कृष्णा को पसंद का कपड़ा तक तन से न लगाने दिया। जो पीहर से मिल जाता उसी में सब्र कर वह दो भैंसों का दूध बेचकर हर माह कुछ न कुछ बचत करती है ताकि बच्चों की पढ़ाई-लिखाई ठीक से हो सके। अंकिता के एमबीए करते ही बलजीत ने उसके लिए लड़का देखना शुरू कर दिया। जल्दी ही गाँव से लगभग तीस किलोमीटर की दूरी पर स्थित महम में रहने वाले श्रीनिवास के लड़के अमर से उसका रिश्ता तय कर चट मंगनी पट ब्याह की कहावत चरितार्थ करते हुए हाथ पीले कर दिए। बलजीत ने चद्दर से बाहर पैर पसारते हुए बेटी को दहेज में कपड़े, गहने, घर के दैनिक उपयोग का सामान आदि भी दिए ताकि बेटी को पराये घर में किसी चीज की दिक्कत न हो। कृष्णा और बलजीत दोनों को लगता था कि बेटी सुखी रहेगी। वे उसकी जिम्मेदारी से मुक्त हो गए हैं तो कुछ दिनों में अपनी मेहनत से इधर-उधर से लिया गया उधार भी वे जल्दी ही चुका देंगे। परन्तु इतनी शीघ्र बेटी का ससुराल से मोहभंग होना उनके सपनों पर गाज गिरने के समान था। कारण चाहे कुछ भी हो पर बेटी का वापस आकर बैठना! क्या कहेंगे लोग? कहीं बेटी किसी और के चंगुल में तो नहीं है? यह आशंका भी उनके मन में उठी परन्तु भोली-भाली अंकिता का निश्छल स्वभाव उन्हें ऐसा सोचने की अनुमति नहीं दे रहा।

कृष्णा को याद आया कि महीना भर पहले जब अंकिता आई थी तो उसकी एक ही मांग थी 'माँ मेरे लिए अलग बिस्तर बना दो ताकि मैं वहाँ रहकर अलग कमरे में पढ़ाई कर सकूँ।' यह सुनकर उसके हृदय को शूल सी चुभी थी कि बेटी ऐसा क्यों कह रही है। परन्तु उसने अंकिता को सलाह दी 'अभी अपने वैवाहिक जीवन को सुदृढ़ करो पढ़ाई लिखाई तो चलती ही रहेगी।' यह कहकर कृष्णा ने बिस्तर वाली बात अगली बार पर टाल दी थी। परन्तु उसे क्या पता था कि अलग सोने का बहाना करने वाली अंकिता महीने भर बाद कभी वापस न जाने का मन बनाकर लौट आएगी। बलजीत तो बेटियों से कम बात करता है। वह बार-बार कृष्णा को अंकिता का मन लेने को कहता। स्त्री अपने दर्द-दुःख बाँट लेती है लेकिन पुरुष जैसे कुछ खास न हुआ हो, का दिखावा करते हुए भीतर ही भीतर घुलता रहता है। उधर कृष्णा के बार-बार कुरेदने पर भी शांत और उदास सी अंकिता ने कुछ भी संकेत नहीं दिया। पति के प्रति आकर्षण व मिलन के उल्लास का समापन तो ब्याह के माह भर बाद से ही कृष्णा अनुभव कर रही थी, 'परन्तु दूसरे के घर में व्यवस्थित होने में समय तो लगता ही है' सोचकर वह अपनी दिनचर्या में व्यस्त रहती। उसे तसल्ली इस बात की थी कि अंकिता ने कभी सास-ससुर, देवर, ननद, पति किसी के भी व्यवहार की, किसी तरह की कमी या दुःख की कोई शिकायत नहीं की तो उन्हें लगता रहा कि सब ठीक ही होगा।

कहते हैं न कि दीवारों के भी कान होते हैं। शायद यह सच ही होगा तभी तो अंकिता के ससुराल न जाने की बात गाँव भर में फैल गयी। अब लोगों ने उसे और चटपटी करते हुए नमक-मिर्च लगाकर तलाक की बात तक पहुंचा दिया। बात जब बाहर निकली तो बतंगड़ बनने ही थे। कुछ लोग तो आजकल लड़कियाँ कितनी बिगड़ गयी हैं का उदाहरण अंकिता का नाम लेकर देने लगे। जो भी सुनता एक वाक्य अपनी तरफ से जोड़ ही देता 'आजकल की लड़कियाँ घर कोनी बसावैं' तो कोई कहता 'देख लिया घणी पढ़ावण का नतीजा' और कोई कहता 'छोड़ दी होगी लड़के वालों ने, ये अपनी का कसूर क्यों बतावेंगे' मतलब जितने मुँह उतनी बात। जबकि इस प्रकरण से पहले यही लोग थे जो अंकिता की शराफत का उदाहरण अपनी बेटियों को देते थे।

इन सब बातों को बिना सुने भी अनुभव करते बलजीत कृष्णा बेटी के उतरे मुँह को देख खुद भी उदासी में डूब जाते। माँ भाँति-भाँति के जतन करती उसके मन की बात जानने को, परन्तु सफल न हो पाती। माँ तो माँ होती है अपनी संतान के हित उसके प्रयास कभी थमते नहीं। एक दिन गली में 'सूट ले ल्यो, सूट ले ल्यो' की आवाज सुनकर कृष्णा ने अंकिता को सुनाते हुए पीयूष से कहा 'बेटे बुला तो फेरी वाले को दो-चार अंकिता और एक सूट उसकी सास के लिए ले लेती हूँ।'

'रुक जा पीयूष' बाहर निकलते भाई को अंकिता ने रोका तो उसके पाँव ठिठक गए। 'माँ आप लोगों को कितनी बार कह चुकी कि मुझे वहाँ नहीं जाना।' उसने माँ की ओर देखते हुए कहा।

'पर क्यों नहीं जाना? कोई कारण तो हो? फिर यहाँ क्या करेगी? बाप की छाती पे मूंग दलेगी? देख तेरे छोटे बहन-भाई पर क्या असर पड़ेगा तेरे इस फैसले से। हम लोगों को क्या जवाब देंगे? कभी सोचा है तूने?' कहती हुई माँ रोने को हो आई। अंकिता कुछ जवाब देती, उससे पहले ही मोबाइल की घण्टी बज उठी। उसने मोबाइल पर आया नाम देखकर फोन काट दिया। मैट्रिक तक पढ़ी कृष्णा ने उसकी यह हरकत देखकर मोबाइल उसके हाथ से छीन लिया।

'अमर का फोन' वह बुदबुदाई और अगले ही पल वापस फोन मिला दिया। 'हेलो' 'हाँ बेटे' 'नमस्ते मम्मी। अंकिता तो पता नहीं क्यों मेरा फोन नहीं उठा रही, मैं ये कह रहा था कि मैं कल उसे लेने आ रहा हूँ।' 'ठीक है बेटा, आ जाओ, और सब ठीक हैं घर में?' 'हाँ मम्मी सब ठीक हैं।'

अपनी माँ को मेरी राम-राम कह देना बेटे।' कहकर कृष्णा ने फोन काट दिया। 'अंकिता कल अमर आ रहा है तुझे लेने, जाने की तैयारी कर ले बेटी। वो फेरी वाला भी निकल गया। अब मुझे कपड़े लेने जगदीश बनिया की दुकान पर जाना पड़ेगा।' कृष्णा ने सपाट लहजे में कहा। 'मुझे नहीं जाना माँ।' अंकिता ने धीरे से परन्तु दृढ़ निश्चय के साथ कहा। 'पर क्यों नहीं जाना?' कृष्णा ने उसे कंधों से पकड़कर झकझोरते हुए पूछा।

इस बीच पीयूष किताबें उठाकर जीने की सीढ़ियां चढ़ने लगा। श्वेता कॉलेज और बलजीत खेतों में गए हुए थे। आज कृष्णा भी अंकिता से पूरी बात जानने की ठान चुकी थी। सो, उसने अंकिता को अपने पास बिठाकर उसे गले से लगाते हुए कहा-'कारण कुछ भी हो अंकिता बताना तो पड़ेगा तुझे, नहीं तो कल जाना पड़ेगा। मैं तेरी माँ हूँ, तू अपना दुख मुझसे नहीं कहेगी तो किस से कहेगी बेटी। यदि तू पूरी बात बताएगी तो हमें भी तुझे समझने में आसानी रहेगी।' कृष्णा कारण जानने को व्याकुल थी मगर अंकिता का मौन टूटने का नाम ही नहीं ले रहा था। हार कैसे मानती तो फिर एक बार माँ के उत्तरदायित्व ने हौसला दिया- 'देख अंकिता तेरे पिता कितने चिंतित रहते हैं तेरे लिए। आये दिन लोगों को हार्टअटैक की घटनाएं हो रही हैं तेरे पापा को कहीं कुछ हो गया तो...'और वे रुआँसी हो आयी।

'माँ, मैं क्या बताऊँ, कैसे बताऊँ कि सच क्या है। आपने तो घर-नौकरी देखकर मेरा ब्याह कर दिया। मुझे भी वहाँ कोई दिक्कत नहीं किसी से...'कहते हुए अंकिता के होंठ फिर से सिल गए।'

देख बेटा बताना तो पड़ेगा तुझे। हमारी हालत देख रही है न तू। तुम तीनों की पढ़ाई-लिखाई के साथ तेरे ब्याह में उठाये कर्ज के ब्याज का भी भुगतान हम अभी तक नहीं कर पाए हैं।' 'माँ, मैं नौकरी करूँगी। पापा का हाथ बटाऊंगी, सुबह शाम आपके साथ भैंसों का, घर का काम भी करूँगी पर वहाँ मत भेजो माँ, मुझे वहाँ मत भेजो।' कहते हुए अंकिता फफक पड़ी।' पर क्यों ना भेजूँ मेरी लाडो, बात तो बता।'

'माँ, उसे मेरी जरूरत नहीं है वह किसी और लड़के के साथ...'

'लड़के के साथ...' कृष्णा हतप्रभ रह गई। उसे समझ नहीं आ रहा था कि माजरा क्या है। 'माँ, यह मुझ से तो बात ही नहीं करता है। रात को कभी माँ के पास जाकर सो जाता है तो कभी दादी के पास। अभी कुछ दिनों पहले जब ये नहाने गया हुआ था तो इसका फोन बजा। मैंने उठाया तो उधर से कहा गया, तुम कौन हो? मैंने कहा मैं उनकी पत्नी हूँ। तो उसने कहा तू इसकी कुछ नहीं है। मुझसे वादा खिलाफी नहीं कर सकता अमर। हम दोनों साथ रहेंगे। उसकी पत्नी बनकर तो मैं रहूँगा। तुम दफा हो जाओ इसकी जिंदगी से। 'क्या बकवास कर रहे हो तुम' मैंने कहा तो वह गुर्राया-'बकवास नहीं कर रहा हूँ ज्यादा चूं-चपड़ की तो खत्म कर दूँगा तुझे, न रहेगा बाँस न बजेगी बाँसुरी। और सुन यकीन नहीं आता तो वीडियो भेजता हूँ अभी, देख लेना।' और माँ उसने तत्काल दो वीडियो भेजी। जिन्हें मैंने अपने नम्बर पर फारवर्ड कर अमर के फोन से तत्काल डिलीट कर दिया।

'वीडियो दिखा' कृष्णा ने उतावली होते हुए कहा। अंकिता ने मोबाइल की गैलरी में वह वीडियो टिक कर मोबाइल माँ को थमा दिया। दो पुरुषों की ऐसी गन्दी, घिनौनी वीडियो देखकर कृष्णा की हालत खराब हो गई। यह सब तो जिंदगी में न सुना, न कल्पना की। 'कोई बात नहीं बेटी। आने दे तेरे पापा को मैं बात करती हूँ।' कुछ पल सोचकर कृष्णा ने बलजीत को फोन मिलाया- 'कहाँ हो? ज्यादा जरूरी काम ना हो तै घरां आ जाओ।' 'आऊँ सूँ' कहकर बलजीत ने फोन काट दिया। कुछ देर बाद बलजीत आ गया तो कृष्णा ने एक तरफ बैठकर सारी बात बलजीत को बताई, जिसे सुनकर बलजीत भी हैरान, परेशान हो गया। कृष्णा ने अंकिता को चाय बनाने को कहा और बलजीत को समझाने लगी कि बात बहुत गम्भीर है, तुम विपिन से बात कर लो। वह जरूर कुछ समाधान सोचेगा।' हाँ विपिन को तो मैंने वैसे भी बता दिया था कि अंकिता ससुराल जाने से मना कर रही है। उसने कहा भी था कि कोई गम्भीर बात ही होगी। वरना हमारी अंकिता ऐसा क्यों कहती।'

शाम को बड़े भाई का बेटा विपिन घर आया तो बलजीत ने उसे बुला भेजा-'आ जा विपिन आज चाय यहीं बना देगी अंकिता'

'आता हूँ काका' कहते हुए दो मिनट में ही विपिन आ गया। बलजीत ने उसे शुरू से आखिर तक सारी बात बतायी, वीडियो भी दिखाई। उसे आश्चर्य तो बहुत हुआ पर उसने यही कहा कि यह बीमारी भी अब फैल रही है। आपने सुना ही होगा दो-तीन वर्ष पहले नजदीक के ही शहर में ऐसे ही एक चक्कर में विरोध करने पर एक युवक ने अपने परिवार को ही मौत के घाट उतार दिया था। यह सुनकर बलजीत के बदन में झुरझुरी सी आ गयी। 'अब क्या होगा विपिन?' 'होगा क्या काका पहले तो कल अमर आ रहा है उससे पूछ लेते हैं। उसके बाद आगे की सोचेंगे। अगले दिन अमर के पहुँचते ही बाट जोह रहे बलजीत व विपिन ने उसे बैठक में बिठाकर चाय-पानी के बाद जानना चाहा कि मामला क्या है? अमर तो इस चालाकी में था कि जैसे अंकिता को कुछ पता न उसके घरवालों को। 'ऐसा कुछ नहीं है' कहते हुए वह पहले तो साफ मुकर गया। परन्तु विपिन ने उसे बातों में घेरते हुए कहा कि सबूत है मेरे पास।' सबूत तो तब होंगे न जब कुछ होगा' अमर को अपने रुख पर कायम देख विपिन ने उसे वीडियो दिखाई तो अमर सन्न रह गया। उसे एकदम से पसीना आ गया। 'यह तू है न दूसरे लड़के के साथ?' विपिन ने पूरे आवेश में उस पर मुक्का तानते हुए कहा। 'हाँ' कहते हुए अमर ने गर्दन झुकाकर आँखें धरती में गड़ो दी। 'अब तू यहाँ से भाग कल हम आते हैं तेरे घर अपने बाप को बता देना।' अत्यंत क्रोध में बलजीत चिल्ला पड़ा। अमर तुरन्त सटक गया। अंकिता को कलेजे से लगाये उसकी माँ रो पड़ी- 'मेरी बेटी जैसी गयी थी वैसी ही आ गयी। मैं इसकी दूसरी शादी कर दूँगी। पर जो दुहेजू होने का कलंक इस पर लग गया, इसे कैसे हटाऊँ?

लघु कथा

वीना सिंह

कागज़ की नाव

पानी मटमैला था, लेकिन आँखें चमक रही थीं।
बरसात के बाद गाँव की उस पतली सी नाली में बहता पानी जैसे कोई समंदर हो, और उसका कप्तान—वो नन्हा बच्चा। टूटी हुई चप्पलें, आधे गीले कपड़े, गले में एक काली डोरी और हाथ मेंङ्क कागज की नाव।
वो नाव उसकी कल्पना थी—कभी जहाज बन जाती, कभी युद्धपोत। और उसके होंठों पर खिलती मुस्कान, किसी विजेता की सी।
"डूबेगी नहीं?" पीछे से किसी ने पूछा।
उसने बिना मुड़े कहा, "नहीं! मेरी बनाई है। इसे सपनों से जोड़ा है, पानी से नहीं।"
दूर बैठा बूढ़ा दादा, जो कभी अपने बचपन में ऐसी ही नावें बहाया करता था, चुपचाप मुस्कुराया। उसे याद आया, बरसात में बहता पानी कभी सिर्फ पानी नहीं होता—वो बचपन की सबसे पवित्र नदी होती है, जिसमें न कोई डर होता है, न कोई कल की चिंता।
बारिश थम चुकी थी, लेकिन उसके सपनों की नाव बहती रहीङ्क उस नाली में नहीं, उस आजादी में, जो सिर्फ बचपन जानता है।

कविता

राज ख्यालिया

संगीत

संगीत जब मन को छू जाए,
आत्मा का द्वार खुल जाए।
धुनों में बहती सुध-बुध सारी,
जैसे हो साधना कोई प्यारी।

नाद उठे शिव का डमरू बोले,
वहीं सत्य समाधि के स्वर डोले।
कृष्ण की बंसी जब जहाँ भी गूंजे,
योग की भाषा खोजो तुम खुद में

कला बसी नृत्य की थिरकन में
चित्रकला बहती है रेखाओं में।
शब्दों की रचना में,भावों की बात,
मिले मन को शांति, स्वमं के साथ।

हस्तशिल्प की बुनावट गहरी,
मानवता की कथा कह रही।
रचनात्मकता के हर रंग में,
मन पाता है शांति उमंग में।

जब थकी लगे जीवन की चाल,
ले संगीत, चित्र या राग-माल।
मन के बोझ को हल्का कर लो,
हर चिंता को तितली कर दो।

कभी अकेले में गुनगुनाओ,
या बच्चों संग खिलखिलाओ।
कभी बिखराओ रंग सपनों के,
या थिरको सुरों के धुनों में।

कला ध्यान का सहज उपाय,
तन मन को देता सुकून प्रायः।
योग का यह नया विस्तार,
कला में प्राणों का संचार।

कविता

डॉ .कमलेश मलिक

मां दुर्गा

स्मरण तुम्हारा आते ही मां
पुलकित हो जाता है तन मन

भिन्न-भिन्न रूपों में आकर
भक्तों को खूब रिझाती हो
सब की मांगे अपनी-अपनी
तुम सब पर प्यार लुटाती हो

धूप -दीप - नैवेद्य यही है
कर लाई हूं कुछ शब्द चयन

ब्रह्मचारिणी कहला कर भी
तुम गौरी मां बनकर आयीं
तुम कालरात्रि भी बनी कभी
तुम सिद्धिदात्री भी कहलायीं

हे ! कल्याणी हे! कात्यायिनी
तुमको अर्पित हैं भाव सुमन

हे! आदि शक्ति तुम जगजननी
अमृत बरसाने वाली हो
इस रूखी सूखी धरती को
तुम ही सरसने वाली हो

मैं ढूंढ रही अंतर्घट में
हाथों में मेरे है दर्पण

साहित्यकार डॉ. शमीम शर्मा का कहना है कि युवा पीढ़ी पोर्नोग्राफी वीडियो को सर्च करने में अपना समय बर्बाद कर देती है, लेकिन साहित्य से जुड़ी सामग्री सर्च करने में कोई रुचि नहीं है। उन्होंने चिंता जताई कि मुंशी प्रेमचंद द्वारा लिखित गोदान को बच्चा अपने पाठ्यक्रम में होने के कारण उसके प्रश्न-उत्तरों को रट करके परीक्षा दे देता है। ऐसे में गोदान पढ़ने का जो मजा है, वह कैसे आएगा। प्रेमचंद तो गोदान में है, प्रेमचंद गोदान के प्रश्न-उत्तरों में नहीं है।

साक्षात्कार

शमशेर सैनी

साहित्य पाठन से दूर हो रही नई पीढ़ी : डा. शमीम शर्मा

वर्तमान समय में साहित्य बहुत लिखा जा रहा है। आज हर दिन कविता की नई किताब आ रही है लेकिन चिंता का विषय यह है कि उन्हें पढ़ कौन रहा है। पुस्तकें मूल्यांकन के लिए साहित्य अकादमियों के पास पहुंच जाती हैं और डिस्ट्रीब्यूट हो जाती हैं। आज पाठक वही है, जो लेखक है। नई पीढ़ी साहित्य से दूर होती जा रही है। उनकी साहित्य में कोई रुचि नहीं है। काव्य, कहानियां, उपन्यास इन सब से युवा कोसों दूर हो गए हैं।

यह कहना है हरियाणा साहित्य जगत में महिला साहित्यकार एवं शिक्षाविद् के रूप में अपनी एक अलग पहचान रखने वाली डॉ. शमीम शर्मा का। साहित्यकार डॉ. शर्मा हरिभूमि के साथ विशेष बातचीत कर रही थीं। उन्होंने साहित्य की शुरुआत से लेकर नई पीढ़ी में साहित्य के प्रति कम होती रूचि जैसे विषय पर लंबी चर्चा की। डॉ. शर्मा ने कहा कि साहित्य क्या लिखा जा रहा है, कितना लिखा जा रहा है, यह तो बाद का प्रश्न है, जो लिखा जा रहा है, वो इतना सजावटी हो गया है कि जैसे हमारी पांडुलिपियां हैं, उन्हें लाल वस्त्रों में लपेटकर रखा गया है। वर्षों से रखी हुई है। कोई उनको पढ़ता नहीं, खोलता नहीं। मुंशी प्रेमचंद, महाकवि जयशंकर प्रसाद, महादेवी वर्मा, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला यह लाइब्रेरी की सज्जा हो गए हैं। जैसे घर में सजावट का सामान रखा हो। न उन्हें कोई गले लगाते हैं, न कोई उन्हें स्पर्श करता है। उसी तरह से किताब होती जा रही है। एक समय था जब लोग साहित्य पढ़ने को लालायित होते थे। पढ़ने का शौक इतना प्रगढ़ था कि लोग साहित्य, पात्रिकाएं किराए पर लेकर पढ़ते थे। उस समय पढ़ने का बड़ा महत्व था। आज के परिप्रेक्ष्य में हम देखते हैं कि जो पढ़ने का शौक होता था वह शौक धीरे-धीरे यह मोबाइल खा गया है। बिना साहित्य के पली पीढ़ी पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में घरों से किताबें गायब होती जा रही हैं। इसका नतीजा यह है कि युवा साहित्य से बेखबर हैं। बिना साहित्य के पली पीढ़ी समाज के लिए नुकसानदायक है। अच्छे साहित्य की पहचान न होना, अच्छे लेखकों को बेहतर मौके न मिल पाना और खराब साहित्य का प्रचलन में आना भी समाज के लिए खतरा है। उन्होंने कहा कि पुष्पक विमान है, जिसने रामचरितमानस पढ़ी नहीं, उसको क्या पता कि हमारे यहां हजारों साल पहले पुष्पक विमान की खोज हो चुकी थी। वर्तमान में विश्व के कई देश युद्ध के दौरान मिसाइल छोड़ रहे हैं। हमारे यहां तो महर्षि वाल्मीकि ने रामायण में 5000 साल पहले ही अग्नि बाण, वायु बाण आदि का जिक्र कर दिया था।

प्रकाशित पुस्तकें

कुरुक्षेत्र हस्ताक्षर (लघुकथा संग्रह), अजन्मी बेटी की चिट्ठी (विचारोत्तेजक आलेख), पंचनाद (संतों की वाणी में क्रांति चेतना), चौपाल के मखौल, चौपाल के चाले. (हरियाणवी हास्य), एक बिटिया तो जरूरी है (लघुकथा संग्रह), रोशनी है हम (कविता संग्रह), मंगल सूत्र और मेडल (महिला सशक्तीकरण पर आधारित निबन्ध), कोरोना की चिंगारियां (विचारपरक निबन्ध) बेटे बेटियों में खूब फर्क है, दो नंबर वाली लक्ष्मी (विचारोतेजक आलेख), जादूभरा साथ (कविता संग्रह) प्रकाशित हो चुके हैं।

डॉ . शमीम शर्मा

पुरस्कार व सम्मान

हरियाणा साहित्य अकादमी ने डॉ. शमीम शर्मा को वर्ष 2017 के लिए श्रेष्ठ महिला रचनाकार सम्मान से नवाजा है। वर्ष 2009 में हरियाणा सरकार द्वारा प्रकाशित हरियाणा एन्साइक्लोपीडिया का संपादन किया। हरियाणा हिंदी साहित्य अकादमी से भी उन्हें 'विशिष्ट हिंदी सेवी' पुरस्कार मिला है। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय मदर टेरेसा द्वारा स्वर्ण पदक मिला। 2001 की जनगणना में सराहनीय सहयोग के लिए राष्ट्रपति के रजत पदक का सम्मान मिला।

सोशल मीडिया पर फर्जी फॉरवर्ड

सोशल मीडिया पर डाली पोस्टों को फर्जी फॉरवर्ड बताते हुए डॉ. शर्मा ने कहा कि वाट्सएप और फेसबुक करते-करते हम मैसेज यहां से वहां और वहां से वहां भेज रहे हैं। कई बार मैं देख रही होती हूं कि सोशल मीडिया में पोस्ट की गई कहानी के नीचे महादेवी वर्मा लिखा होता है, जबकि महादेवी वर्मा ने कोई कहानी लिखी ही नहीं। लोग ऐसे ही फर्जी फॉरवर्ड कर रहे हैं। सोशल मीडिया की वायरल पोस्टों में उनकी प्रमाणिकता का पता नहीं है, लेकिन भेड़ चाल की वजह से पोस्ट पर पोस्ट किए जा रहे हैं।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : डॉ. शमीम शर्मा
जन्म : 17 मार्च 1959
जन्म स्थान : गांव जुम्बा, जिला मलोट (पंजाब)
शिक्षा : एमए (स्वर्ण पदक प्राप्त), एमफिल(स्वर्ण पदक प्राप्त), पीएचडी(हिन्दी) कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र।

पहले लाइब्रेरी में सीट नहीं, अब वहां विद्यार्थी नहीं

लाइब्रेरी से जुड़े अपने अनुभव को साझा करते हुए डॉ. शमीश शर्मा ने कहा कि जब हम लाइब्रेरी में पढ़ने के लिए जाते थे तो हमें बैठने को सीट तक नहीं मिलती थी, लेकिन वर्तमान में लाइब्रेरी में सीट तो हैं, परंतु विद्यार्थी नहीं मिलते। डॉ. शर्मा ने बताया कि साहित्य से जुड़े होने के कारण मैंने अपने कॉलेज में भी लाइब्रेरी के लिए स्पेशल एक पीरियड बनाया हुआ है। उसमें हम बच्चों को धक्के से लाइब्रेरी में लेकर जाते हैं, ताकि बच्चे वहां जाकर पढ़ें। साहित्य के प्रति रुचि बढ़ाने पर जोर देते हुए साहित्यकार डॉ. शमीम शर्मा ने कहा कि समाज में हमें युवाओं को पढ़ाने की तरफ अग्रसर करना होगा। उनको प्रेरित व जागरूक करना होगा कि बिना साहित्य पढ़े, हमें न तो अपने अतीत का पता चलेगा और न ही हम अपने भविष्य की सोच पाएंगे।

समाज की परतों को उजागर करती 'ताश का घर'

पुस्तक : ताश का घर
लेखिका : सविता स्याल
मूल्य : 250 रुपये
प्रकाशक : कौशिक पब्लिशिंग हाउस

पुस्तक समीक्षा

डॉ. अंजना गर्ग

साहित्य सदा से समाज का दर्पण रहा है, और लघुकथा उस दर्पण की सबसे सजीव छवि। सविता स्याल समकालीन हिंदी साहित्य की एक सशक्त और संवेदनशील रचनाकार है, जिनकी लेखनी समाज के भीतर बहती भावनात्मक धाराओं को गहराई से छूती है। उनकी लेखनी एक ओर जहां समाज की विडंबनायों को उजागर करती है वहीं दूसरी ओर उम्मीद और आत्मबल का स्वर भी रचती है।

'ताश का घर' लेखिका सविता स्याल द्वारा रचित एक सशक्त लघुकथा- संग्रह है, जो समकालीन समाज की विविध परतों को बड़ी सादगी और गहराई से उजागर करता है। यह संग्रह न केवल मानवीय संबंधों की पड़ताल करता है बल्कि उन मौन द्वंदों और विसंगतियों को भी सामने लाता है जिन्हें अक्सर समाज के बहाव में अनदेखा कर दिया जाता है। सविता स्याल ने अपनी लघु कथाओं में समाज के विभिन्न पहलुओं को उकेरा है जैसे ' दोषी कौन', ' मी टू', ' मृगतृष्णा' , ' रक्षक/ भक्षक', ' वापसी' जैसी लघुकथाएं इसका उदाहरण है। बाल मनोविज्ञान पर लिखी लघुकथाएं जैसे ' जूम वाली दादी' एवं ' एक दोस्ती ऐसी भी' एक अलग ही प्रभाव छोड़ती हैं। मानवी संवेदनाओं से ओतप्रोत ' दूसरी मां' तथा ' डील' भी संग्रह की खूबसूरत रचनाएं हैं और मानव मन पर एक अलग ही प्रभाव छोड़ती है। 'श्राद्ध' एक अनूठे प्यार की लघुकथा है जिसमें पति पारंपरिक लीक से हटकर पत्नी का श्राद्ध करता है। शीर्षक कथा ' ताश का घर' की बात करें तो जिसके माध्यम से लेखिका ने बिना विवाह किए साथ रहने वाले युवाओं को उसके दुष्परिणामों के बारे में सचेत किया है। यह लघुकथा बहुत से नौजवानों को राह दिखाने का काम करेगी। हर लघुकथा एक सामाजिक प्रश्न खड़ा करती है। कई लघुकथाओं में लेखिका ने उनका समाधान भी बताया है परंतु कुछ लघुकथाएं पाठकों के लिए छोड़ दी हैं जिनका उत्तर पाठक को स्वयं तलाशना होगा। सविता स्याल की भाषा सरल, संवेदनशील और बिंबात्मक है। शैली संवाद प्रधान होने के साथ-साथ सूक्ष्म व्यंग्य और भावनात्मक गहराई का सुंदर संयोजन है। ' ताश का घर' उन साहित्य प्रेमियों के लिए एक अनिवार्य संग्रह है जो लघुकथा को केवल रचना नहीं सामाजिक संवाद मानते हैं। यह पुस्तक विद्यार्थियों, शिक्षकों, सामाजिक शोधकर्ताओं और संवेदनशील पाठकों के लिए उपयोगी है। लेखका को ढेरों शुभकामनाएं एवं आशा करती हूं कि इस प्रथम लघुकथा संग्रह के बाद उनकी कलम लगातार लघुकथा सर्जन पर भी चलती रहेगी।

खबर संक्षेप

महर्षि वाल्मीकि जयंती समारोह बाल भवन में आज

रेवाड़ी। महर्षि वाल्मीकि जयंती के उपलक्ष्य में 6 अक्टूबर को सुबह 10 बजे बाल भवन में जिला स्तरीय समारोह का आयोजन किया जाएगा। डीआईपीआरओ दिनेश कुमार ने बताया कि हरियाणा सरकार की ओर से सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के तत्वावधान में संत महापुरुष सम्मान एवं विचार प्रसार योजना के तहत प्रदेश भर में महर्षि वाल्मीकि जयंती समारोह का आयोजन किया जा रहा है।

किसान के ट्यूबवेल से सिंचाई के उपकरण चोरी

कोसली। गांव नाहड़ से चोर एक किसान के ट्यूबवेल से सिंचाई की मोटर व अन्य उपकरण चोरी कर ले गए। किसान रविन्द्र कुमार ने नाहड़ पुलिस चौकी में दी शिकायत में बताया कि चोर उनके कुएं से एक 7.5 एचपी की मोटर, एक रस्सा, औजार, बैंड व नोजल तथा कुछ अन्य सामान चोरी कर ले गए। पुलिस ने मौके की जांच के बाद किसान की शिकायत पर शनिवार को चोरी का मामला दर्ज किया है।

मुंशी प्रेमचंद की पुण्यतिथि पर विचार गोष्ठी आठ को

रेवाड़ी। प्रगतिशील साहित्यिक सांस्कृतिक मंच की ओर से आठ अक्तूबर को मॉडल टाउन स्थित बाल भवन में प्रसिद्ध साहित्यकार मुंशी प्रेमचंद की 89वीं पुण्यतिथि पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। साहित्य प्रेमी एवं आयोजन समिति सदस्य व रिटायर्ड ईओ मनोज यादव ने बताया कि कार्यक्रम में हिंदी साहित्य के अमिट हस्ताक्षर की समाज के प्रति दी गई सेवाओं को याद किया जाएगा।

शहर को सुंदर बनाने को चलाया सफाई अभियान

रेवाड़ी। हरियाणा शहरी स्वच्छ अभियान के अंतर्गत रेवाड़ी शहरी क्षेत्र को स्वच्छ व सुंदर बनाने के लिए रविवार को विधायक लक्ष्मण सिंह यादव के नेतृत्व में म्हारा रेवाड़ी स्वच्छ रेवाड़ी अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान सरकुलर रोड पर रेलवे चौक से निरंकारी भवन तक सफाई कार्य किया गया। अभियान से जुड़े शहरवासियों ने विधायक के साथ हाथों में झाडू लेकर सड़कों पर सफाई की। सड़क के दोनों ओर जमीं गंदगी व मिट्टी को भी साफ किया गया।

अच्छी शिक्षा के साथ-साथ अच्छे संस्कार होना जरूरी

रेवाड़ी। शैक्षणिक संस्था पब्लिक एजुकेशन बोर्ड के अधीन संचालित सतीश पब्लिक सीनियर सैकेंडरी स्कूल में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य को लेकर रविवार को अभिभावक-शिक्षक मीटिंग का आयोजन किया गया। अभिभावकों ने शिक्षकों से अपने बच्चों की प्रगति के बारे में जानकारी ली। प्राचार्या संगीत यादव ने कहा कि शिक्षकों के साथ साथ अभिभावकों का भी यह दायित्व बनता है कि बच्चों के सर्वांगीण विकास पर ध्यान दें। उन्हें मोबाइल व टीवी से दूर रखकर रचनात्मक गतिविधियों में लगाएं। अच्छी शिक्षा के साथ-साथ अच्छे संस्कार होना भी जरूरी। मीटिंग में पहली कक्षा से लेकर 12वीं तक के बच्चों की प्रगति रिपोर्ट से अभिभावकों को अवगत कराया गया।

---

98 स्वयंसेवकों ने पूर्ण गणवेश में संचलन किया और कार्यक्रम में 120 लोग उपस्थित रहे

शिवाजी नगर के छोटूराम उपनगर में हुआ शस्त्र पूजन कार्यक्रम

शहर से लेकर गांव तक हुए स्वयंसेवक संघ के कार्यक्रम

- जाखौदा गांव में 55 लोगों ने पूर्ण गणवेश में पथ संचलन किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

रविवार को नगर के सरदार पटेल उपनगर में संघ की स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में पथ संचलन का कार्यक्रम हुआ। पथ संचलन पटेल नगर के डीएस आर्य स्कूल से आरंभ होकर, सेक्टर-2, रुहिल होम्स, ओमेक्स व कसार से होते हुए वापस स्कूल में पूर्ण हुआ। इसमें 98 स्वयंसेवकों ने पूर्ण गणवेश में संचलन किया और कार्यक्रम में करीब 120 लोग उपस्थित रहे। ब्रह्मजीत आर्य की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम में संदीप आर्य का उद्बोधन हुआ। शिवाजी नगर के छोटूराम उपनगर में शस्त्र पूजन कार्यक्रम हुआ। शंभू की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम में सुरेंद्र चुघ का उद्बोधन हुआ। जाखौदा गांव में 55 लोगों ने पूर्ण गणवेश में पथ संचलन किया। इसमें डॉ. रविप्रभात, रिटायर्ड कर्नल राजबीर व रिटायर्ड विंग कमांडर रणबीर ने मुख्य रूप से सहभागिता की।

बहादुरगढ़। कार्यक्रम में उपस्थित गणवेशधारी बाल स्वयंसेवक। फोटो :हरिभूमि

एमआर स्कूल में अभिभावक–शिक्षक सम्मेलन आयोजित

झज्जर। शिक्षकों से अपने बच्चों की शैक्षणिक प्रगति को लेकर चर्चा करते हुए अभिभावक। फोटो :हरिभूमि

झज्जर। एमआर स्कूल हसनपुर में अर्धवार्षिक परीक्षा परिणाम की घोषणा के साथ-साथ अध्यापक-अभिभावक सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत कक्षा पर्यवेक्षकों द्वारा विद्यार्थियों के परीक्षा परिणामों की जानकारी देने से हुई। बच्चों में जहां अपने प्रदर्शन को जानने की उत्सुकता थी, वहीं अभिभावकों में भी उत्साह देखा गया। विद्यालय निदेशिका संगीता कोडान ने विद्यार्थियों को उनके बेहतर परिणामों पर बधाई दी और उन्हें भविष्य में भी कड़ी मेहनत करते रहने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान विद्यालय उप निदेशक सुभाषचंद्र यादव व प्राचार्या नेहा शर्मा ने अभिभावकों से शिक्षण पद्धति को और बेहतर बनाने के संबंध में सुझाव भी मांगे।

पौधरोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

झज्जर। रविवार को आयुष्मान आरोग्य मंदिर सिलाना के परिसर में बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कर्मचारियों द्वारा पौधरोपण किया गया। राजेंद्र सिंह ने कहा कि मनुष्य अपने स्वार्थ के लिए पेड़ों की अंधाधुंध कटाई कर रहा है। जिसका परिणाम यह रहा कि देश में लोगों को बाढ़ का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि पेड़ हमें ऑक्सीजन देते हैं और कार्बन डाई ऑक्साइड को सोखते हैं। इसलिए हमें अधिक से अधिक पेड़ लगाने चाहिए। वहीं योगिता देवी और सुनीता कुमारी ने लोगों को समझाया कि आजकल आमजन को अनेकों बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है। इसका मुख्य कारण पेड़ों की कटाई है क्योंकि जितने ज्यादा पेड़ होंगे तो हमें उतनी ही स्वच्छ हवा मिलेगी और जितनी स्वच्छ हवा मिलेगी उतने ही मनुष्यों को बीमारियों का सामना कम करना पड़ेगा। उन्होंने आमजन से अनुरोध किया कि प्रत्येक व्यक्ति एक पेड़ जरूर लगाएं

झज्जर। सिलाना गांव में पौधरोपण करते हुए बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कर्मचारी।

अंबेडकर सभा के पदाधिकारियों ने ली शपथ

> सभी ने बाबा साहब के बताए आदर्शों पर चलने का आह्वान किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

लाइनपार स्थित अंबेडकर भवन में अंबेडकर सभा की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सभा प्रशासक सोरेन सिंह सहरावत ने नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। सभी ने बाबा साहब के बताए आदर्शों पर चलने की शपथ ली। बता दें कि उमेद सिंह ने प्रधान, राजेश बामनिया ने वरिष्ठ उप प्रधान, मोहन सिंह चोपड़ा ने उप प्रधान, सुभाष सरोहा ने महासचिव, राजवीर सिंह ने कोषाध्यक्ष, हरीश कुमार ने सचिव, जसवीर सिंह ने प्रचार सचिव के रूप में शपथ ली।

बहादुरगढ़। कार्यक्रम में शपथ लेते अंबेडकर सभा के नवनियुक्त पदाधिकारी। फोटो :हरिभूमि

प्रशासक और चुनाव समिति का धन्यवाद किया

कार्यकारिणी सदस्य के रूप में राज रानी, शकुंतला देवी, ईश्वर सिंह सिंगल व नरेश लांगाण ने शपथ ली। नवनियुक्त प्रधान उमेद सिंह ने दोबारा से समाज की सेवा करने का मौका देने पर धन्यवाद किया। साथ ही कहा कि बाबा साहेब के बताए हुए आदर्शों पर चलते हुए सभा व समाज को आगे बढ़ाने के लिए कोशिश करेंगे। अंबेडकर सभा द्वारा चलाए जा रहे अंबेडकर स्कूल को सुचारू रूप से चलाने का प्रयत्न जारी रहेगा। उन्होंने प्रशासक और चुनाव समिति का भी धन्यवाद किया। इस अवसर पर पूर्व प्रधान राम भगत चहल, ईश्वर दत्त, गजराज, जोगीराम पूनिया, नरेंद्र सहोता व गोविंद लांगाण आदि उपस्थित रहे।

एयरपोर्ट पर नौकरी का झांसा देकर ठगी करने वाला गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

नौकरी के नाम पर युवाओं को ठगने वाले एक कुख्यात धोखेबाज को दक्षिण पश्चिम जिले की साइबर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी ने हवाई अड्डे पर आकर्षक नौकरियों का झांसा देकर ठगी की थी। इसके पास से अपराध में इस्तेमाल किया गया एक स्मार्टफोन भी बरामद हुआ है। पकड़े गये शख्स का नाम बिजवासन निवासी मनोज (33) बताया गया है।

डीसीपी अमित गोयल के अनुसार एस सिंह निवासी सेक्टर 7, आरके पुरम की एक शिकायत एनसीआरपी पोर्टल पर प्राप्त हुई, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें एक अज्ञात नंबर से कॉल आया। कॉल करने वाले ने अपना नाम मनोज बताया और उन्हें बीडब्ल्यूएफएस कंपनी में 35 हजार वेतन की नौकरी का प्रस्ताव दिया। शिकायतकर्ता ने इसमें रुचि दिखाई और कथित कॉल करने वाले के कहे अनुसार पंजीकरण शुल्क के रूप में गूगल पे के माध्यम से 5,500 रुपये ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद 26 जुलाई को शिकायतकर्ता को मेल के माध्यम से उनका पहचान पत्र प्राप्त हुआ। उनसे 15,000 रुपये का अतिरिक्त भुगतान करने के लिए कहा गया।

व्यक्ति ने लंबी बीमारी से तंग आकर पीया कीटनाशक, पीजीआई में मौत

मृतक के बेटे ने अपने पिता की मौत को लेकर किसी प्रकार का संदेह नहीं जताया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

भाकली गांव में एक व्यक्ति ने लंबी बीमारी से तंग आकर कीटनाशक पीकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। मृतक सुरेन्द्र सिंह के बेटे लक्ष्य ने पुलिस को दिए ब्यान में बताया कि वे दो भाई है। लगभग 45 वर्षीय उनके पिता सुरेन्द्र सिंह लंबे समय से बीमार रहते थे तथा पैरों से लाचार होने के कारण ई-रिक्शा में चलते थे। अचानक शनिवार को उन्होंने कीटनाशक जहर पी लिया। वे अपने पिता को पहले कोसली अस्पताल, फिर रेवाड़ी अस्पताल तथा वहां से रोहतक पीजीआई ले गए, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। सूचना के बाद कोसली पुलिस रविवार को पीजीआई पहुंची तथा मृतक सुरेन्द्र सिंह के बेटे के ब्यान पर सामान्य कार्रवाई करते हुए शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया।

मृतक के बेटे ने अपने पिता की मौत को लेकर किसी प्रकार का संदेह नहीं जताया है।

वायु सैनिक 12 को मनाएंगे भारतीय वायुसेना दिवस

रेवाड़ी। शहर में इस वर्ष भी वायु सैनिक अपने परिवार के साथ भारतीय वायुसेना दिवस समारोह मनाएंगे, जिसकी तैयारी शुरू कर दी गई है। आयोजन समिति के प्रवक्ता एडवोकेट अशोक कुमार ने बताया कि समारोह कोनसीवास रोड़ स्थित गणपति गार्डन में आयोजित किया जाएगा। रविवार को समारोह को लेकर आयोजन समिति की बैठक आयोजित की गई। भारतीय वायु दिवस प्रतिवर्ष 8 अक्तूबर को मनाया जाता है, लेकिन इस बार कार्य दिवस होने के कारण यह कार्यक्रम आगामी 12 अक्तूबर को आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम सुबह साढ़े आठ हवन से शुरू होगा। रविवार को हुई बैठक में सुबेसिंह, ईश्वर, राजबीर सिंह, नानक सिंह, अजीत सिंह, विजय सिंह और राजेश मौजूद थे। इस मौके पर प्रवक्ता हंसराज एडवोकेट ने कहा कि आयोजन समिति इस समारोह को यादगार बनाना चाहती है।

मोबाइल हैक करके 9.98 लाख रुपये की ठगी के मामले एक आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

साइबर क्राइम थाना पुलिस ने मोबाइल फोन हैक करके करीब 9.98 लाख रुपये की साइबर ठगी के मामले में कार्यवाही करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान पश्चिम बंगाल के जिला उत्तर दिनाजपुर के गांव घिरता तला निवासी मुख्तार मंडल के रूप में हुई है। गत 20 अगस्त को बावल के साइबर ठगों ने सेक्टर-2 निवासी वीराराम के मोबाइल में एपीके फाईल भेजकर हैक करके खाते से करीब 9.98 लाख रुपये निकाल लिए थे। पुलिस ने वीराराम की शिकायत पर साइबर थाना में मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू की थी। संलिप्त एक आरोपी मुख्तार मंडल निवासी गांव घिरता तला जिला उत्तर दिनाजपुर पश्चिम बंगाल हाल निवासी चंद्र लोक सेक्टर 28ए चक्करपुर गुरुग्राम को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस गिरफ्त में ठगी का आरोपी मुख्तार मंडल।

दिल्ली में छापेमारी के दौरान 17 सौ किलोग्राम पटाखे जब्त

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने इस महीने दीपावली से पहले राष्ट्रीय राजधानी के कई इलाकों में छापेमारी के दौरान 1,700 किलोग्राम से अधिक प्रतिबंधित पटाखे जब्त किए और सात लोगों को गिरफ्तार किया। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस उपायुक्त पंकज कुमार ने बताया कि दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने द्वारका, रोहिणी, उत्तम नगर, शास्त्री नगर, मुकुंदपुर और शाहदरा में छापेमारी की। उन्होंने बताया कि ये अभियान वायु प्रदूषण से निपटने और जन सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पटाखों के भंडारण और बिक्री पर अंकुश लगाने के उच्चतम न्यायालय के हालिया निर्देशों के अनुरूप चलाए गए।

मोटरसाइकिलों की नंबर प्लेट, इंजन व चैसिस नंबर बदलकर बेचने वाला आरोपी गिरफ्तार

> आरोपियों से चार बाइक भी बरामद की थी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धारूहेड़ा

धारूहेड़ा थाना पुलिस ने चोरी की गई मोटरसाइकिलों पर फर्जी नंबर प्लेट, इंजन व चैसिस नंबर लगाकर इस्तेमाल करने के वर्ष 2016 के एक पुराने मामले में कार्रवाई करते हुए मामले में संलिप्त तीसरे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान राजस्थान के जिला भरतपुर के गांव काबन का बास निवासी मौसम के रूप में हुई है। आईओ ने बतलया कि 22 नवंबर 2016 को पुलिस ने चैकिंग के दौरान धारूहेड़ा के सुभाषचंद्र बोस चौक पर दो संदिग्ध मोटरसाइकिलों को चैक किया था। चैकिंग में दोनों मोटरसाइकिल की नंबर प्लेट पर एक ही नंबर थे।

आरोपी से पूछताछ जारी

पूछताछ करने पर दोनों आरोपियों की पहचान राजस्थान के जिला धौलपुर के गांव गोगली निवासी ओमप्रकाश व राजस्थान के ही जिला भरतपुर के गांव सुंदरावली निवासी गजराज के रूप में हुई। पुलिस ने मामला दर्ज कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था तथा आरोपियों से 4 बाइक भी बरामद की थी। आरोपियों से पूछताछ के दौरान राजस्थान के जिला भरतपुर के गांव काबन का बास निवासी मौसम का नाम सामने आने पर पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी हुई थी। शनिवार शाम को धारूहेड़ा पुलिस ने आरोपी मौसम को भी गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी से पूछताछ में सामने आया कि उसने चोरी की मोटरसाइकिलें खरीदकर उन पर रेती मारकर फर्जी इंजन व चैचिस नंबर लगाकर बेच दी थी।

पुलिस ने मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू की थी

नकदी व जेवरात चोरी करने के मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

> आरोपी से चोरी हुए सामान को लेकर पूछताछ की जा रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धारूहेड़ा

सेक्टर-6 धारूहेड़ा थाना पुलिस ने घर में घुसकर नकदी व जेवरात चोरी करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान जिला गुरूग्राम के गांव शिकोहपुर निवासी संजय के रूप में हुई है। द्वारकाधीश सिटी धारूहेड़ा निवासी मनीराम ने 28 सितंबर को पुलिस में शिकायत दी थी कि वह अपने परिवार सहित धारूहेड़ा के महेश्वरी स्थित भगवान सिंह कॉलोनी में निजी कार्य से गया था। शाम को जब वह घर वापस आया तो मकान की कुंडी खुली हुई थी।

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में चोरी का आरोपी संजय। फोटो :हरिभूमि

घर से करीब दो लाख रुपये कैश था

अलमारी के लॉकर के लॉक टूटे हुए थे। घर से करीब 2 लाख रुपये कैश व जेवरात चोरी हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू की थी। पुलिस ने शनिवार को मामले में संलिप्त एक आरोपी संजय को गिरफ्तार कर लिया। रविवार को आरोपी को कोर्ट में पेश करके दो दिन के रिमांड पर लिया गया है। आरोपी से चोरी हुए सामान को लेकर पूछताछ की जा रही है।

पारिवारिक महासम्मेलन में शामिल हुए तहसील कोट अद्दू के परिवार

नन्हे-मुन्नों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों से मोहा मन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

बाबा कांशीगिरी मंदिर में रविवार को तहसील कोट अद्दू बिरादरी द्वारा 41वें पारिवारिक महासम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कोट अद्दू बिरादरी के केंद्रीय प्रधान नरेंद्र मदान ने की, जबकि शिक्षाविद् वीके नरूला, उद्योगपति महेश कमल, मदन खुराना, एमएल सेतिया व सुरेश आर्य विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। बिरादरी प्रधान नरेंद्र मदान ने बताया कि परिवारों को एकमंच करने के उद्देश्य से प्रति वर्ष अक्टूबर माह के प्रथम रविवार को पारिवारिक सम्मेलन का आयोजन किया जाता है।

झज्जर। महासम्मेलन में उपस्थित कोट अद्दू बिरादरी सदस्य। फोटो :हरिभूमि

मधुर भजन प्रस्तुत किए

बीते 41 वर्षों से जारी इस परंपरा का निर्वहन भावी पीढ़ी को भी करना चाहिए। महासम्मेलन में जहां कोट अद्दू परिवारों से आए नन्हे-मुन्नों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति भी दी वहीं भजन गायक योगेश रंजन ने भी मधुर भजन प्रस्तुत किए। इस मौके पर मंदिर सभा के कार्यवाहक आशीष चावला, महासचिव शंकर ग्रोवर, वेद बहल पाशु, महेश कठपालिया, सुधांशु हंस, अनिल छाबड़ा, मनोहर लाल नारंग, दीपक खट्टर, गुलशन माटा, देवराज, ताराचंद, प्रदीप कठपालिया सहित दिल्ली, बहादुरगढ़, गुरुग्राम, सोनीपत, करनाल आदि शहरों में कोट अद्दू बिरादरी के सदस्य उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

सतर्कता से करें ऑनलाइन शॉपिंग: डीसी

झज्जर। फेस्टिवल सीजन के चलते ऑनलाइन शॉपिंग का क्रेज बढ़ जाता है। जिसको लेकर डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने नागरिकों से सतर्क रहकर ऑनलाइन शॉपिंग करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि फेस्टिवल सीजन में बंपर डिस्काउंट, लॉटरी और इनाम के लालच में आकर कई बार लोग संदिग्ध लिंक पर क्लिक कर देते हैं। जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान हो सकता है। उन्होंने सलाह दी कि किसी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें और किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी का शिकार होने पर तुरंत गृह मंत्रालय द्वारा जारी हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें और घटना की सूचना दें।

जिला व उपमंडल स्तर पर आज लगेंगे समाधान शिविर

झज्जर। आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान और सरकारी सेवाओं को सुगम बनाने के उद्देश्य से सोमवार को सुबह दस से बारह बजे तक जिला व उपमंडल स्तर पर समाधान शिविरों का आयोजन किया जाएगा। प्रवक्ता ने बताया कि जिला स्तरीय समाधान शिविर लघु सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस रूम में आयोजित किया जाएगा। वहीं, उपमंडल बहादुरगढ़, बेरी व बादली में लघु सचिवालय में संबंधित एसडीएम द्वारा जन समस्याएं सुनी जाएंगी। नागरिकों की शिकायतों व मांगों को मौके पर ही सुना जाएगा।

गांव लोवा खुर्द में गर्ल्स फुटबॉल लीग जारी

माछरौली, जींद व जसोर ने जीते फुटबॉल मुकाबले

जसौर ने लोवा खुर्द को 3-2 से हराया, दूसरे मैच में खेड़ी और झज्जर टीम का मुकाबला 1-1 से बराबरी पर रही

तीसरे मैच में माछरौली ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए भाली की टीम को 7-1 के अंतर से शिकस्त दी

भाली टीम से हिमांशी ने गोल किया। वहीं माछरौली टीम से नैंसी, रितिका, कोमल, मानसी ने गोल दागे। दिन के चौथे व अंतिम मुकाबले में आर्य जींद की टीम ने जबरदस्त खेल दिखाकर लोगों को रोमांचित किया। आर्य जींद की टीम पूरी तरह से लोवा खुर्द पर हावी रही और जीत दर्ज की।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

गांव लोवा खुर्द में गर्ल्स फुटबॉल लीग जारी है। रविवार को चार मुकाबले खेले गए। शानदार प्रदर्शन के बूते जसोर, माछरौली व जींद की टीम ने अपने मुकाबलों में जीत दर्ज की। जबकि एक मैच बराबर रहा। पहले मैच में जसोर और लोवा खुर्द स्पोर्टस क्लब की टीम आमने सामने हुई। जसौर ने लोवा खुर्द को 3-2 से हरा दिया। लोवा खुर्द की तरफ से वर्षा और करिश्मा ने गोल किए, जबकि जसोर की तरफ से शीतल व गायत्री ने गोल किए।

दूसरे मैच में खेड़ी और झज्जर टीम का मुकाबला 1-1 से बराबरी पर रहा। खेड़ी की तरफ से श्रुति व झज्जर की तरफ से जिज्ञासा ने गोल किए। तीसरे मैच में माछरौली ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए भाली की टीम को 7-1 के अंतर से शिकस्त दी। भाली टीम से हिमांशी ने गोल किया। वहीं माछरौली टीम से नैंसी, रितिका, कोमल, मानसी ने गोल दागे। दिन के चौथे व अंतिम मुकाबले में आर्य जींद की टीम ने जबरदस्त खेल दिखाकर लोगों को रोमांचित किया। आर्य जींद की टीम पूरी तरह से लोवा खुर्द पर हावी रही और जीत दर्ज की।

बहादुरगढ़। गोल का प्रयास करतीं खिलाड़ी। फोटो : हरिभूमि

जींद की तरफ से मीनाक्षी, मुस्कान, कशिश ने गोल किए

जींद की तरफ से मीनाक्षी, मुस्कान, कशिश ने गोल किए। रेफरी की भूमिका में अक्षित, श्लोक, शिवम, निखिल टीनू व ढीला आदि रहे। कमेटी प्रधान नरेश कुमार, कोच प्रदीप, बीजे, लाला मास्टर, विक्की मास्टर, आरती, शिवानी, शिक्षा, विधि आदि मौजूद रहे।

बहादुरगढ़। बेरी के लिए पदयात्रियों को रवाना करते दिनेश कौशिक। फोटो : हरिभूमि

बेरी के लिए रवाना हुई पैदल अर्जी यात्रा

बहादुरगढ़। श्रद्धा और आस्था से ओतप्रोत पैदल अर्जी यात्रा रविवार को बेरी स्थित माता भीमेश्वरी धाम के लिए रवाना हुई। भाजपा नेता दिनेश कौशिक ने झंडी दिखाकर इस यात्रा को रवाना किया। मां भगवती युवा मित्र मंडल द्वारा आयोजित पदयात्रा में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूरा माहौल माता रानी के जयकारों से गूंज उठा। श्रद्धालु हाथों में निशान लेकर माता रानी के भजनों पर झूमते हुए बेरी धाम की ओर रवाना हुए। दिनेश कौशिक ने कहा कि ऐसी यात्राएं समाज में एकता, श्रद्धा और भक्ति की भावना को मजबूत करती है। इस अवसर पर कृष्ण, चंद्रपाल, सुखबीर, दर्शन, सोनू छिकारा, रवि कौशिक व बोनी कौशिक आदि मौजूद रहे।

बहादुरगढ़। बैठक में वीरांगनाओं को सम्मानित करती सहायक कमांडेंट। फोटो : हरिभूमि

50 साल पहले भर्ती हुए जवानों को किया सम्मानित

बहादुरगढ़। सीआरपीएफ के झाडोदा कलां स्थित डीआईजी ग्रुप सेंटर में वार्ब की तिमाही मीटिंग आयोजित की गई। बैठक में दिल्ली एनसीआर व आसपास के करीब 250 पूर्व अर्धसैनिकों के अलावा 12 वीरांगनाएं भी शामिल हुईं। अलॉइंस ऑफ ऑल एक्स पैरामिलिट्री फोर्सेस वेलफेयर एसोसिएशन के महासचिव रणबीर सिंह ने इस वेलफेयर मीटिंग को अभूतपूर्व करार दिया। वेलफेयर मीटिंग में ग्रुप केंद्र में सिपाही के पद पर 50 साल पहले भर्ती हुए 50 पूर्व अर्धसैनिकों का डीआईजी विनय कुमार सिंह द्वारा स्वागत सम्मान किया गया। सहायक कमांडेंट द्वारा वीरांगनाओं को सम्मान स्वरूप शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। बैठक में कई बैंकों के अधिकारियों साइबर फ्राड से सावधान रहने की सलाह दी। मीटिंग उपरांत छांव आशियाने का डीआईजी द्वारा उद्घाटन किया गया।

झज्जर। बैठक के दौरान उपस्थित चमार समाज के लोग। फोटो : हरिभूमि

चमार समाज की जिला स्तरीय पंचायत 11 को

संत गुरु रविदास धर्मशाला में बैठक का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

स्थानीय संत गुरु रविदास धर्मशाला में रविवार को चमार समाज की जिला इकाई की मीटिंग का आयोजन किया गया। मीटिंग की अध्यक्षता चमार फेडरेशन ऑफ इंडिया के प्रधान रामनारायण चरखी ने की जबकि फेडरेशन की प्रदेश प्रभारी एडवोकेट सुनीता गोलपुरिया मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहीं।

प्रदेश में चमारों को इकट्ठा करने के लिए गांव-गांव जाना चाहिए और शिक्षा, स्वास्थ्य व रोजगार आदि मुद्दों पर चर्चा की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज को एकत्रित कर समाज को उन्नत करने के उद्देश्य से दहेज प्रथा के खिलाफ मुहिम चलाई जाएगी। उन्होंने कहा कि समाज के लोग जटिया, रविदासिया, मेघवाल, जाटव, रैगर आदि में बंटा हुआ है जबकि वे मूल रूप से चमार हैं। मीटिंग में सर्व सम्मति से आगामी 11 अक्टूबर को संत रविदास धर्मशाला में चमार समाज की जिला स्तरीय पंचायत का आयोजन करने का प्रस्ताव भी पास किया गया।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर प्रदेश प्रवक्ता परमहंस चौपड़ा, रविदास सभा के प्रधान श्यामलाल गोठवाल, रामधन, संदीप मेहरा, श्रीराम दहिया, जय किशन बोरवाल, धर्मपाल एडवोकेट, सूबे सिंह रंगा, रामनिवास, कृष्ण कुमार, मुकेश कुमार अहलावत, रविकांत महराणा, सत्य प्रकाश दौचानिया, भगवानदास नेहरा, विजेंद्र चौहान, मीराज दहिया, सुरजीत सिंघल, मास्टर मनफूल सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

पराली जलाने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

झज्जर। डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने कहा कि किसान फसलों की कटाई के बाद खेतों में पराली या अन्य फसल अवशेष न जलाएं, बल्कि आधुनिक कृषि यंत्रों से उसका उचित प्रबंधन करें। सरकार द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन को बढ़ावा देने के लिए 12सौ रुपए प्रति एकड़ तक की प्रोत्साहन राशि दी जा रही है। वहीं कृषि उपनिदेशक जितेंद्र अहलावत ने कहा कि पराली जलाने की घटनाओं पर सैटेलाइट मॉनिटरिंग और एएफएल ट्रैकिंग सिस्टम के जरिए कड़ी नजर रखी जाएगी। पराली प्रोटेक्शन फोर्स द्वारा आईसीएआर एवं हैरसक तकनीक से रियल-टाइम कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी कि पराली जलाने पर किसानों के खिलाफ भारी जुर्माना, एफआईआर दर्ज व मेरी फसल-मेरा ब्यौरा पोर्टल पर रेड एंट्री और दो साल तक एमएसपी पर फसल बिक्री पर रोक जैसी कार्रवाई की जाएगी।

- मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर होगी रेड इंट्री

पार्टी की जन कल्याणकारी नीतियों को जन जन तक पहुंचाएं कार्यकर्ता: दुष्यंत चौटाला

- मातनहेल में पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राकेश जाखड़ के रिश्तेदार की मौत पर दुख प्रकट किया और परिवार को ढांढस बंधाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

रविवार को पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने क्षेत्र के कई गांवों में सामाजिक कार्यक्रमों में शिरकत की। उन्होंने गांव मातनहेल में पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राकेश जाखड़ के रिश्तेदार की अचानक हुई मौत पर दुख प्रकट किया और परिवार को ढांढस बंधाया। बाद में कार्यकर्ताओं से रूबरू होते हुए उन्होंने कहा कि वह पार्टी की जन कल्याणकारी नीतियों को जन-जन तक पहुंचाएं और संगठित रहकर जनहितों के लिए संघर्ष करें। उन्होंने पिछले दिनों हुए जलभराव व प्रकृति की मार से किसान बुरी तरह परेशान है।

झज्जर। मातनहेल गांव में मृतक के परिजनों को ढांढस बंधाते हुए पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला। फोटो : हरिभूमि

केवल घोषणाओं की राजनीति कर रही सरकार

किसानों को उम्मीद थी कि सरकार मुआवजे के लिए कुछ करेगी, लेकिन सरकार ने प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा राशि दिए जाने की बजाय उल्टा उसकी मंडी में आ रही बाजरे की फसल को भी एक तरह से खरीदने से मना कर दिया। जिसकी वजह से किसान अपनी बाजरे की फसल औने-पौने दामों में बेचने का मजबूर हो गया है। उन्होंने कहा कि सरकार केवल घोषणाओं की राजनीति कर रही है। किसानों व आम जनता के हितों से कोई लेना-देना नहीं है। जिसके कारण आमजन में सरकार के प्रति रोष बना हुआ है। इस दौरान जिलाध्यक्ष संजय दलाल, प्रेस प्रवक्ता विकास पाराशर, मिंटू ठेकेदार, राजू दलाल, भूपेंद्र गहलोत, राजेश महराना, संदीप अहलावत, नवीन कुमार, संदीप जाखड़, सवीन पंघाल, मनोज पांचाल, धरम कबलाना, जयभगवान सहित काफी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आचार्य शतक्रतु ने बताया त्योहारों का वैज्ञानिक विश्लेषण

झज्जर। रविवार को आर्य समाज मंदिर परिसर में मासिक सत्संग और साप्ताहिक हवन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में यज्ञ पुरोहित ब्रह्मचारी इंद्रजीत ने वैदिक मंत्रों के उच्चारण से यज्ञ संपन्न कराया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ओमप्रकाश आर्य ने की जबकि पूर्व विधायक अजीत कादियान मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस मासिक सत्संग में मुख्य वक्ता आचार्य शतक्रतु ने नवरात्रि, दशहरा एवं दीवाली पर्व का वैज्ञानिक विश्लेषण बताते हुए कहा कि ये सभी मुख्यतः किसानों के त्यौहार हैं। खरीफ की फसल धान, बाजरा आदि के घर आने पर किसान व व्यापारी उत्सव मनाते हैं और यह परंपरा भगवान श्रीराम के अयोध्या आने पूर्व से ही मनाई जाती रही है।

- आर्य समाज मंदिर में मासिक सत्संग व हवन आयोजित

झज्जर। आर्य समाज मंदिर में आचार्य शतक्रतु को सम्मानित करते हुए आर्यजन। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद: इस मौके पर डॉक्टर सम्मत सैनी, मंत्री लाला प्रकाशवीर आर्य, विनय आर्य, उदयभान, शोभा रानी, आचार्या अरविंद गार्गी, नीलम, जागृति, दिलीप आर्य, कृष्ण शास्त्री व एडवोकेट पंकज शर्मा आदि उपस्थित रहे।

पूर्व विधायक ने दी प्रदीप को बधाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

हरियाणा प्रदेश युवा कांग्रेस के महासचिव के तौर पर महेंद्रगढ़ जिला प्रभारी का दायित्व संभाल रहे प्रदीप यादव ने युकां का प्रदेश मीडिया चेयरमैन नियुक्त किए जाने के बाद पूर्व विधायक राजेंद्र सिंह जून से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद लिया।

पूर्व विधायक राजेंद्र जून ने कहा कि युवा कांग्रेस में यह पद संगठन की मजबूती के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रदीप यादव इस नई जिम्मेदारी का बखूबी निर्वहन करते हुए कांग्रेस की नीतियों को आमजन तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाएंगे। युवा कांग्रेस इस दिशा में पूरी मजबूती से कार्य करेगी। इस मौके पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता वेद प्रधान, राजेश कल्सन, संदीप दहिया, धर्मेंद्र राणा, रामबीर प्रधान, राजबीर जून, नित्यानंद झा, रामकुमार जून, संजय पहलवान, जय सिंह, जगदीश, कृष्ण नया गांव, कर्मवीर राव, महेंद्र मेहंदीपुर, हरिचंद अहलावत व जयप्रकाश जून आदि ने भी प्रदीप यादव को नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई दी।

बहादुरगढ़। प्रदीप यादव को बधाई देते पूर्व विधायक राजेंद्र सिंह जून व अन्य कांग्रेसी।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900

कार्यक्रम भव्य शोभायात्रा के साथ मनाई अग्रसेन की 5179वीं जयंती

भगवान अग्रसेन के सिद्धांत आज भी प्रासंगिक: मनोज

महाराजा अग्रसेन धर्मशाला में समारोह का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

महाराजा अग्रसेन यूथ विंग द्वारा रविवार को भगवान अग्रसेन की 5179वीं जयंती के उपलक्ष्य में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। रेलवे रोड स्थित महाराजा अग्रसेन धर्मशाला में आयोजित समारोह में बहादुरगढ़ के विधायक राजेश जून और खरखोदा के विधायक पवन खरखोदा मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे।

रविवार सुबह महाराजा अग्रसेन यूथ विंग द्वारा भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा का आगाज अग्रवाल कॉलोनी स्थित एमसी पार्क में स्थापित भगवान अग्रसेन की प्रतिमा की पूजा-अर्चना के साथ हुआ। शोभायात्रा अग्रवाल कॉलोनी से अनाज मंडी, काठमंडी, रेलवे रोड, नाहरा नाहरी रोड होते हुए अग्रसेन धर्मशाला पहुंची। भोले बाबा की झांकी विशेष आकर्षण का केंद्र रही।

यहां अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय संगठन मंत्री मनोज गोयल गुडियानिया ने मुख्य वक्ता के रूप में कहा कि भगवान अग्रसेन के सिद्धांत आज भी प्रासंगिक हैं। समाज के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति को लाभ मिलना ही भगवान अग्रसेन को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

पूर्व विधायक नरेश कौशिक ने शोभायात्रा का जोरदार स्वागत किया। विधायक राजेश जून और विधायक पवन खरखोदा ने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले वैश्य समाज के बंधुओं को सम्मानित किया।

बहादुरगढ़। विधायक राजेश जून को स्मृति चिह्न भेंट करते आयोजक।

भगवान अग्रसेन ने समाज में उच्च आदर्श स्थापित किए

भाजपा नेता डॉ. पंकज जैन ने कहा कि भगवान अग्रसेन ने समाज में उच्च आदर्श स्थापित किए। संरक्षक अशोक गुप्ता व प्रबंधक गौरीशंकर अग्रवाल ने सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम में सराहनीय सहयोग करने वाले नितिन गुप्ता, बजरंग गर्ग, दीपक बंसल, सुनील गुप्ता, रविंद्र गुप्ता, जितेंद गुप्ता, हिमांशु गुप्ता, शंकर बंसल, संजीव बिंदल, अमित गोयल, दीपक गुप्ता, नवीन बिंदल, दीपक गर्ग सीए, मुकेश गोयल, देवेंद्र गर्ग, मोहित गोयल, प्रमोद बंसल व सुशील गुप्ता को सम्मानित किया गया। मौके पर पार्षद विशाल गर्ग, हरिओम गुप्ता, राजेंद्र प्रसाद बिंदल, सुभाष चंद्र गुप्ता, विकेश गर्ग, पवन गोयल (जैन), महावीर मित्तल, बंटी अग्रवाल, अशोक आदि मौजूद थे।

झज्जर। मीटिंग में उपस्थित अभिभावक एवं शिक्षक। फोटो : हरिभूमि

अभिभावकों ने लिया अपने बच्चों की शैक्षणिक प्रगति का जायजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

कैंब्रिज इंटरनेशनल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भदाना में प्री-नर्सरी से बारहवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों की अर्धवार्षिक परीक्षा परिणामों को लेकर एक अभिभावक-शिक्षक मीटिंग का आयोजन किया गया। मीटिंग में अभिभावकों ने अपने बच्चों के परीक्षा परिणाम के साथ उसकी आदतों, रुचियों, शैक्षिक प्रदर्शन एवं समग्र विकास की जानकारी शिक्षकों से प्राप्त की।

स्कूल निदेशक धर्मेंद्र जून ने कहा कि विद्यालय में समय-समय पर इस प्रकार की पीटीएम का आयोजन किया जाता है जिसमें अभिभावक और शिक्षक मिलकर बच्चों की पढ़ाई, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास पर विचार-विमर्श करते हैं। इस दौरान अभिभावकों ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए सकारात्मक सुझाव भी दिए।